डेली कॉलेज, जूनियर स्कूल

हिंदी सामूहिक कविता पाठ – 2018-19

कक्षा III A

जीवन का बोझ

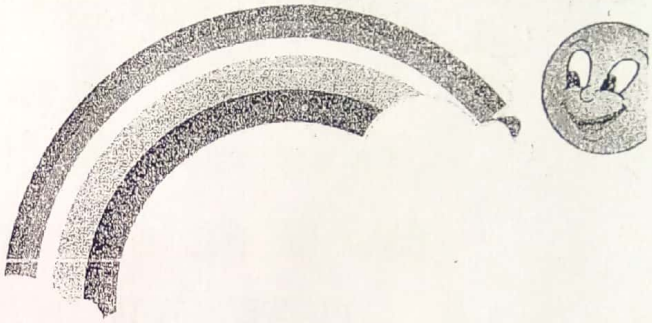

सुबह-सुबह चिड़ियों ने उठकर,
यह संदेश सुनाया ।
आँखें खोलो आलस छोड़ो,
समय काम का आया।

कार्य सदा ही समय से होते,
असमय कार्य न होते ।
असमय की जो आदत डालें,
जीवन - भर हैं रोते ।

किरणों ने अंधकार भगाया,
तुम भी नींद भगाओ ।
नहीं देर तक सोते - सोते ,
नींद के दास कहाओ ।

आलस से ही बुरी आदतें,
सदा जन्म हैं लेती ।
जैसे घुन लकड़ी को खाता,
खोखल हैं कर देतीं ।

कथनी और करनी में उनके,
अन्तर सदा रहेगा ।
आलस को जो गले लगाएं,
जीवन बोझ सहेगा ।

- डॉ० रामगोपाल वर्मा

Scanned by CamScanner